

ॐ नमः श्रीगुरुभ्य नमः॥

आशा वास्तविकी

2212

I

ASNA ARCHIVES

ॐ नमः श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॥ अथ पुराणिकं ॥ ॥ सूयद्रुपा ददाव
तुगिलाहागसियकूतुबोलावमवलासासुवादावथवमोउससहस्रद
नपमयासूतिस्थवगुरुध्यानयाय ॥ ध्यान ॥ प्रागसितसिगुकाकुदि
नयंदिउगंगुत्तावनाएयकनंमकुंस्तनंतामपूर्वकं ॥ ध्यानध्यानया
दावमामस्ययाननपूजायाय ॥ जंगपतमगुरुध्याकध्यानधुनाथपत
मगुरुध्यापादकापूजयामिनमः ॥ ध्यानवादावलाथगीजलगावध

पालवानः ॥ जप ॥ जंगला ॥ २० ॥ कोत्र ॥ जंगअनंतमिलांकहाः
कानाधूनसताकयाचकूतुसिलिगंअनगसिध्यागुरुध्यानम ॥ ध्यान
कोत्रयादावगीया ॥ प्रथम ॥ हंसधमकुनसूलाधनसुवाठकूतु
ननिवृक्षपथमार्जनधरकाहंसितससहस्रदलसुवाठसिवनापल
वंसामनस्यशूलरावयादाथपनिक्कहंसगवचन्दमानअनुरनथव
सुगिलनिर्मलशालपावा ॥ ही ॥ धर्मकुनवृक्षपथमार्जनकाका

संधवथवधसुसंगय॥ मूलकासा॥ गद्यगुहमूलनमस्कातपाक्षमथा
 मृकूलखुण्ठगन्यासा॥ मूलध्यान॥ नामसायवानेनपूजा॥ मूलजप१०८
 ॥ जपसम्पन्नं॥ क्रायकवचसुगनामसहस्रनामद्वयरुका॥
 साहागप्रधम॥ पृथिनमस्कात॥ मन्त्र॥ जगत्सुप्रवतयद्यविषय
 गहनमधुल॥ विष्णुपत्नीनमस्तुयं पादसंकुमलिन्या॥ पृथिनमस्का
 त॥ न्यासलिकाया॥ ॐ गिप्रगगिक॥ ॥ अथज्ञानविधि॥ ॥

१ मालका मृदिकादिनमेवयायधूनकावा॥ दक्षाधवयायधाल१२
 मृदुवाला॥ गुहिकाथसिल॥ अथज्ञानविधियाया॥ खालसिया॥
 जगत्पूजाद्यानिर्निर्थाविगात्राद्यासफसागता॥ अगकन्दुपविद्यावि
 ज्ञानकालेसदासमा॥ गगावुक्कगथिकिजावगथिजीजाववाना॥
 जगत्सुप्रवतयद्यविषय॥ गुर्यानामसहस्रानि
 भिरवावधकगामिह॥ त्वलगवगुहलनआवमन॥ जगत्पूजासा

महकनिक ॥ अथ सकल लख लल गडा ॥ सिल समूल मकु न जानि म
जान थव भाद रिपाल लं ख हाय ॥ भाद कृप ॥ गप ॥ मूल मकु न १० ॥ ति
आवन ॥ श्री सूर्य दर्शन ॥ वैंग जाँ जाँ स श्री सूर्या य नम ॥ ॐ निम्नान विधि
१ अथ विहगि धन धा ॥ ॥ आठ मन ॥ वैंग जाँ जाँ आत्म त्वा य स्वाहा ॥
॥ वैंग जी विद्या त्वा य स्वाहा ॥ वैंग हूं सित त्वा य स्वाहा ॥ न्या स ॥ गध गुतू
मूल नम स्का नन प्रा धयाम ॥ वैंग जाँ हृद या दि न्या स ॥ विहगि काया

व वंध कं रा ख गय ॥ जा जा व ॥ पक्ष कान धाय ॥ यक्ष कन गय ॥ द
धूस विज गय ॥ जाँ जाँ हूं जाँ जाँ जाँ कान स गय ॥ दधूस जाँ वी ज ग
य ॥ ककप मूदान ॥ अधन ॥ मकु ॥ वैंग जाँ जाँ हूं जाँ जाँ जाँ सदा सि
वाय विहगि य गय सर्व रि धरि क कं कूत र स्वाहा ॥ ३ ॥ धियू न मूज
न मूल मकु वा जा व रि य अधपाल ॥ सिल कृप यं कथू नू ग र वा रु न रं
११ सूर्या ग स ॥ अथ विद्य ॥ वैंग हृद स र श्री ॐ वृद्ध व गये ॐ दम र्च नम ॥

॥ वृं ह्रीं सदा सिवाय ॐ दमर्चनम् ॥ वृं ह्रीं सदा सदा दवत्या ॐ दमर्चनम् ॥ म
लजप ॥ १० ॥ वृं ह्रीं स्वाहा १० ॥ लंखति न ॥ वृं ह्रीं ॐ दं जयं गृह्णन् स्वाहा ॥ क्वा
व ॥ वृं का तान स मा तू रा व जय ध्या यति हि का ॥ षट्पु का त ग रां द वी धी
कृत्तिकां न मा म्ब हं ॥ नमः सिवाय सां नाय ॥ का त न य ह क व नि व द य मि व
सा न त्वं ग रि य त म्ब भ त ॥ जा नि मु द्रा न न म स्का त ॥ मुख वा द्य ॥ न्या स लि
का य ॥ ग ल त्र य स हा ल मु द्रा ॥ त्रि श्रा व नं ॥ ॐ गि वि ह रि धा त नं ॥

॥ ॐ नमः सिवाय ॥ ॥ अथ लिंगमर्चनम् ॥ ॥ मालका गल लाव का व
॥ ना सिय ॥ वृं ह्रीं आ स क त्वा य स्वा हा ॥ वृं ह्रीं वि द्या क त्वा य स्वा हा
॥ वृं ह्रीं सि व क त्वा य स्वा हा ॥ न्या स ॥ ॐ ह्रीं अ स्ता य रु द् ॥ ॐ ह्रीं अ
उ स्ता यान म ॥ ॐ ह्रीं अ क्ता य रु र्ज नि त्यां न म ॥ ॐ कालिनी म ध्य
मा त्यां न म ॥ ॐ ह्रीं अ ना भि का त्यां न म ॥ ॐ रं रं क नि स्ता त्यां न
मा ॥ ॐ ह्रीं क न क त्वा य रु द् ॥ ॐ ह्रीं क द य ष न म ॥ ॐ

ॐ अर्कयमित्तसत्त्वाहा ॥ ॐ कालिनीसिखायेवषट् ॥ ॐ क्वं कवचाय क्वं ॥ ॐ लं
लं ननु प्रयाय वीषट् ॥ ॐ क्वं अस्त्राय रुद्र ॥ ॐ गिन्नास ॥ ॐ गजार्घ्यपूजा ॥ ॐ क्वं
हृदयाय नमः ॥ ॐ क्वं सितभजनमः ॥ ॐ क्वं सिखाये नमः ॥ ॐ क्वं कवचाय नमः ॥ ॐ
क्वं ननु प्रयाये नमः ॥ ॐ क्वं अस्त्राय नमः ॥ ॐ वधुना कुरुपूजानमः ॥ धनुर्दाकन
॥ गायत्र्यदिगबंधनः ॥ ध्वलं खनः दवः पूजा रुच्यमनः हाय ॥ धवसिलसपू
जा ॥ ॐ वधुनं नमः ॥ ॐ क्वं अर्कय नमः ॥ ॐ श्रीसिंदूरं नमः ॥ ॐ क्वं माहिनिं नमः

॥ ॐ क्वं पूषां नमः ॥ ॐ गजसला ॥ ॐ स दवपूजा ॥ ॥ ॐ क्वं क्वं सः श्रीसूर्याय नमः
॥ ३ ॥ ॐ सकिसहिगायवलिंगं कुरुस्वाहा ॥ गप ॥ ॐ क्वं क्वं सः स्वाहा ॥ १० ॥ ॐ ना
नाय नपूजा ॥ ॐ यं जलि ॥ ॥ ॐ क्वं स नमाना नाय धाय स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ लक्ष्मी स
किसहिगायवलिंगं कुरुस्वाहा ॥ गप ॥ ॐ क्वं स स्वाहा ॥ १० ॥ सिवपूजा ॥ ॐ यं ज
लि ॥ ॐ क्वं स दासिवाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ स सकिसहिगायवलिंगं कुरुस्वाहा ॥ गप ॥ ॐ
क्वं स्वाहा ॥ १० ॥ मधुलक्ष्म ॥ ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॥ गवाकुरु मसंका

सं. का. सु. य. यं महा हू. ति. त. मा. नि. त. र्ब. ष. ष. प्र. न. मा. मि. दि. वा. क. तं. ॥ ना. ता. य. धा. न. म. स्तु.
त्यं. न. तं. व. व. न. ता. क. मं. द. वि. सं. त. ग. ग. ति. च. व. क. ग. ज. य. म. दी. त. य. ॥ अ. त्. र्क. का. क्. न. द. त्वा. न.
ग. वा. का. ग. ति. स. क. त. यी. य. क्. का. ति. तु. तं. अ. धं. क. ल. सं. सि. व. द. र्म. नं. ॥ ॥ लि. ग. म. र्ज. न. वि.
धि. क. ल. स. र्ब. प. ति. र्ध. म. नु. ॥ न. म. स्तु. क. त. ॥ म. र्ख. वा. घ. ॥ अ. र्घ. या. ल. ख. न. थ. व. र्क. हा. य. ॥
वि. थ. न. ति. य. ॥ ॐ. नै. व. तु. नं. न. म. ॥ ॐ. क्री. अ. क. रं. न. म. ॥ ॐ. श्री. सि. न्द्र. तं. न. म. ॥ ॐ.
कुं. मा. हि. नि. न. म. ॥ ॐ. ह्रीं. पू. ष. न. म. ॥ म. धु. ल. स. यो. न. त्वा. नं. थ. मं. क्. य. ॥ न्या. स. लि.
का. य. ॥ व. द. ना. क. र. पू. ष. अ. र्घ. या. स. ध्ना. व. स. ला. ॐ. स. क. त. ॥ श्री. ह. र्खा. य. क. म. धं. ॥ ग.

द. त्. य. स. हा. त. मू. ज. क. न. ॥ क. र. ल. द. आ. व. मं. ॥ ॥ नृ. ति. लि. ग. म. र्ज. वि. धि. ॥ ॐ. ॥
१. ॐ. न. म. ॥ श्री. कृ. ष्ण. का. य. ॥ ॥ ॐ. न. म. ॥ च. दि. का. य. ॥ ॥ ना. ति. य. ॥ ॥ ॐ. क्री. अ.
स. क. त्वा. य. स्वा. हा. ॥ ॐ. क्री. वि. श. क. त्वा. य. स्वा. हा. ॥ ॐ. ह्रीं. सि. व. क. त्वा. य. स्वा. हा. ॥
॥ ह. र्खा. य. ॥ ॐ. ह्रीं. कृ. ल. मा. कृ. ष्ण. महा. र. त. वा. य. प्र. का. स. न. कि. स. हि. ग. य. अ. र्घ. या. इ. कां. पू.
ज. या. मि. ॥ व. धु. ना. क. र. पू. ष. क. न. ॥ ॐ. अ. र्घ. या. स. र्ब. का. र्मा. दी. कृ. ल. मा. कृ. ष्ण. र. त.
यं. नो. मि. प्र. कां. म. स. किं. च. नृ. कि. म्. कि. रू. ल. पु. दं. ॥ कृ. र्मा. कृ. ष्ण. र. त. वा. य. व. धु. ना. क.
र. पू. ष. न. म. ॥ गृ. त्. म. धु. ल. पू. ज. ॥ ॐ. अ. र्ख. धु. म. धु. ला. का. नं. वा. क. य. न. व. ता. य. त. ॥

कृत्यदंदर्पितं च न. कस्येष्टी गुरुवनम ॥ श्रीगुरुपादकां पूजयामि नम ॥ गुरुमधुलस
चानखानकया कृत्य ॥ बलिपात्रधवरु ॥ बहुना कुरुषुष्य कृत्य ॥ उं ग य द्या स ना य
पाद ॥ बलिस ॥ उं ग य द्या स ना पाद ॥ पात्रस ॥ उं ग कूर्मी स ना य पाद ॥ थ ज ग ॥ व
गुना कुरुषुष्य. जवखवतिताव. थ व व स पियाव अर्घ्यस ग य ॥ उं ग कि नि र वि च
का क ना य द्रं अस्मा य रु द् ॥ व ड म क र म् ड न क पा ल स पिका व वा य ॥ उं ग उं रुं रु
द्व ज य ज ल स्वा हा ॥ द स द्वा त व ध नं ॥ उं ग य ल म कू ली. क र म च ल डीं दू र द्वा हा

अथ न्यासयाच ॥ ॥ लाहिलक ॥ उं ग द्रं ४ अस्मा य रु द् ॥ काला स ॥ उं ग द्रं
अगुष्टा त्यां नम ॥ बाला स ॥ उं ग द्रं ४ कि नित्यां स्वा हा ॥ दधूला स ॥ उं ग द्रं म ध
ना त्यां व रु द् ॥ अंगुला स ॥ उं ग द्रं ४ अ ना मि का त्यां द्रं ॥ सि क्क या स ॥ उं ग द्रं क
निष्ठा त्यां व रु द् ॥ लाहिलक ॥ उं ग द्रं क न ग न पृष्ठा त्यां द्रं अ हा य रु द् ॥ ह
दय स ॥ उं ग द्रं ह द या य नम ॥ सित स ॥ उं ग द्रं सित र म स्वा हा ॥ पिष्ठा ग ल स ॥
उं ग द्रं सि र वा ये व रु द् ॥ कवच स ॥ उं ग द्रं क व चा य द्रं ॥ नय स ॥ उं ग द्रं न य

यायवोषट्॥ लादायु॥ **ॐ** कूं अस्त्राय रुद्र॥ दिगवधन॥ **ॐ** रुद्र १०॥ **ॐ** नि
स॥ गलपाय पूजा॥ **ॐ** हृत् गलपायाय पापु॥ **ॐ** कूं हृदयादि स दंग न पू
जा॥ ७॥ गलपाय सकृत्॥ **ॐ** यद्युना कृत् पूषा नम॥ आवाहनादि धेनु मूढा
कन॥ गदगुयादिगवधन॥ **ॐ** रुद्र १०॥ ध्वलखन दव पूजा रः थमं हाय
॥ **ॐ** नि गलपाय पूजा॥ कृत् संव स्त्राय न॥ थवखव सलखन प्रिकान वा कधी
यावथ आसन कय॥ **ॐ** कूं आधन सक्ता दिशो नम॥ मस धाल॥ **ॐ** रुद्र॥

पस पूजा॥ **ॐ** मं वक्रिक लायनम॥ संव धाल॥ **ॐ** कूं रुद्र॥ संव पूजा॥ **ॐ**
अहर्था मधुलायनमः॥ लखधन॥ **ॐ** कूं वं वरूथ वं नम॥ लघुना कृत् पू
षा कय॥ **ॐ** सं ॥ म मं धुलायनमः॥ निर्थ आवाहन याय॥ अं कृत् समूढान पू
य॥ **ॐ** कूं ध कं॥ ॥ म धन॥ **ॐ** कूं ३॥ पूजा॥ **ॐ** कूं हृदयादि स दंग
न॥ **ॐ** यद्युना कृत् पूषा नम॥ संव मूढा कन॥ गदगुयादिगवधन॥
॥ **ॐ** रुद्र १०॥ ध्वलखन दव पूजा रः थमं हाय॥ **ॐ** नि॥ कृत् पाय

Nityāncana
vidhi

संस्कृत-विद्यापीठ	
2212	I
ASHA ARCHIVES	

ॐ शिवाय नमः ॥ मयुतासनमात्रा वसुवा इति लावनी संघराज
कपालांतः ॥ मूलगर्जनी कान्ति कं ॥ सत्राय अरुणदेवी कीमतीति प

नर्दनी एवं च त्वामहा देवी सर्वसागरादायिनी ॥ धनपुष्पा ॥

*Nityārcana
vidhi*



॥ **ॐ नमो गणेशाय** कयवलिंगं कुरु स्वाहा ॥ विन्दुविय ॥ **ॐ नमो श्री नांथाय** ॥ नमो
श्री सिद्धि नाथाय ॥ नमो श्री कृष्ण नाथाय ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ देव
धियावसे नमः ॥ **ॐ श्री सन्तान मधुलां** कं कं मय दनिहिगानन्दमकिञ्च
लीमा ॥ **ॐ** लिङ्गाय चतुर्भुजं कलकल गङ्गां पञ्चकं चान्यखदं चत्यानष्टं
कृष्णाय पुनर्गयि चतुर्भुजं कलकल मधुलां स ॥ **ॐ** चतुर्भुजं नमः ॥ नमो गुरुव
नं नमो वं श्री कृष्ण ॥ **ॐ** देवगुरु ॥ नमो नाथपाइकां गयामि ॥ **ॐ** कं कुरु

पालायपाय ॥ **ॐ** नमो नाथपाय ॥ **ॐ** नमो वं कुरु नाथपाय ॥ नमो ना
थपाय ॥ **ॐ** नमो गणेशाय कयपाय ॥ नमो वलिस ॥ वलिंगं कुरु स्वाहा ॥ दधुः क
निः गङ्गा मृदा दसीय ॥ ज्जन्मास ॥ नमः ॥ **ॐ** गङ्गा साय नमः ॥ खवस ॥
ॐ गुरुव नमः ॥ दधुः ॥ श्री ॐ देवगुरु नमः ॥ खवनसाइकाय ॥ यं १६
॥ नमो कय ॥ नं ३२ ॥ नमो वलिस ॥ वं १६ ॥ **ॐ** नमः ॥ **ॐ** कुरु स्वाहा ॥ **ॐ**
ॐ कुरु स्वाहा ॥ **ॐ** कुरु स्वाहा ॥ **ॐ** कुरु स्वाहा ॥ **ॐ** कुरु स्वाहा ॥ **ॐ** कुरु स्वाहा ॥

कनकगणपथा

मिकायां॥ ॐ कौकनिष्टायां वोषट्॥ कुंजुष्टाय रुट्॥ जगन्नाम॥ ॐ कौ
 रुट्पाय॥ ॐ कौतिनसत्वाहा॥ ॐ कौमिखायैवषट्॥ ॐ कौकवयाय रुट्॥
 ॐ कौनयुष्टाय यवषट्॥ ॐ कौजुष्टाय रुट्॥ ॐ निन्यास॥ सला ॐ स
 ज्ञास नय॥ ॐ कौजुष्टाय सकि कमलासेनाय पाप॥ ॐ मयुनास
 नाय पाप॥ ॐ कौजुलि॥ ॐ कौयौवीर्यं वधुमाहा रैनवाय कौ
 प्रीवाल कुमात्री दर्वेष्टाय जलिपुष्पा ॐ इकां पुष्टाय मिनमय॥

वली॥ ॐ कौजुष्टाय यवषट्॥ कौमाहवती पाप॥ ॐ कुमात्री पाप॥ ॐ
 वीष्नी पाप॥ ॐ कौताही पाप॥ ॐ ॐ दायनी पाप॥ ॐ कौमदार्थ पा
 प॥ ॐ माहालक्ष्मी पाप॥ वलिगुट्कर स्वाहा॥ सकिमुद्रा दर्शय॥
 ॥ वलिद्विप॥ जसिगां गदिष्टा वलिगुट्कर स्वाहा॥ ॐ कौयवलिगुट्कर
 स्वाहा॥ कौमाहवती वलिगुट्कर स्वाहा॥ ॐ कुमात्री वलिगुट्कर स्वाहा
 ॥ ॐ वीष्नी वलिगुट्कर स्वाहा॥ ॐ कौताही वलिगुट्कर स्वाहा॥ ॐ ॐ

दायनीवलिंगकरत्वाह॥ यं यमसूक्तं यैवलिंगकरत्वाह॥ संपाहा
 लक्ष्मीवलिंगकरत्वाह॥ गववलिस॥ उंशं कोंकप्रयालापयंति ग
 करत्वाह॥ वोंवतु कनाथयवलिंगकरत्वाह॥ गंगगद्यकयव
 लिंगकरत्वाह॥ योंयगिश्चैवलिंगकरत्वाह॥ योंयसूक्तं यवलिंग
 करत्वाह॥ दूंमहाकालायवलिंगकरत्वाह॥ तर्धेत्यादयत्वा
 वलिंगकरत्वाह॥ थंजवहायकावगय॥ उंशं हतुकाश्रयहेन

वाच ॐ सि गं गं दिव का का दिना रु क ला रु ड च ॐ दिग मा दिग र ह
 था व लिं रु क र ह्या हा ॥ ज प या य ॥ स ला ॐ स ॥ ॐ श कां ३ वां ३ ज प
 ३ ॥ ज प मा ला पु ग ॥ ॐ श कीं ज क मा ला य पा प ॥ ॥ ॐ श यां क ॥
 ला हा ॥ १०८ ॥ ॐ दं ग पं ग रु न ह्या हा ॥ मं छु ल द य कं ॥ ॐ
 ला ॥ ॐ ज रु व छु म छु ला का लं ॥ या पं ज न च मा य गं ॥ रु रु रु लं
 द सि रुं य न ॥ रु मी श्री गुरु वं न म ॥ क रु सं व ल सं ॥ रु ग र ह सं वि द्र हा न

कं संपूष्य विधिरक्ता न माथी ट देव कं ॥ ॐ सिद्धि पूज सुदृष्टा द्युतिमावहं
विद्युत्प्रकाशपुत्रिमाभक्तिदधाना मायुतकासनसमाधिनिवालरूपी
कीमार्तिका हवतु मधु रमंजलाया वक्राय नि कमलेंद्र सोषवदनीमा
हृष्यति रिल कीमार्ती लिपूदर्य नासन कती चकार ध्वविष्णु विवाताही
घनघातघ्नघर्मरुषी ॐ दीववक्राय ध्व वासुधु गलनाथ एतवगना
नकतुम्यमात्रिका ॥ श्रीसंमत्तामधुलार्कक्रमपदनिरिगानन्दसकिस्र

लीमा ॥ ॐ सिद्धिनाथ वतुष्कं जकल कलगरं यक्षकं चाल्य खलं च त्वात्र
पक्षा ॥ ॐ नतयिचतुतठठामधुलेन संभृलं यनरुमेनमतिगुह
वतं एतवं श्रीकृष्णं ॥ अयताधसहप्रानि कयं हृदि न संमया दा
ॐ हं मतिमामत्वा कमला पत्रम्यपत्री ॥ अस्मन्निद्या चैनविधर
सर्वविधिपतिपूर्धुममु ॥ कठन्यावजाय ॥ विन्दुविय ॥ ॐ नम
श्रीनां थय ॥ नमश्रीसिद्धिनाथय ॥ नमश्रीकृष्णसनाथय ॥

पांरुकां गर्धरासि ॥ कल्या नरुना ॥ उं गं ऊं ॥ अष्टाय रुद्रा विगं जां ददया
वनम ॥ अर्घा ॥ संख संधी नरुल नथ वक हाय ॥ वरुना कुरु पृष्ठा रुय ॥
मछुल सं ॥ मला ॥ सं ॥ संधी नरुल नका काया वरुय ॥ उं गं ऊं ॥ कुरु मंगी मम
नकरुखा हा ॥ न्यासलिकाय ॥ क्रायाया थं ॥ वलिस ॥ का किं पिशावरुय ॥
॥ उं गं ऊं ॥ अष्टाय रुद्रा ॥ ३ ॥ ला पादाय ॥ ला थल क ॥ जा निमृदा कन ॥
संहात सुदान वलि थय ॥ वलिस लख रुद्रुल ॥ रुय ॥ नासिय ॥ मछुल

दयकं अर्घ विषा ॥ उं गं ऊं ॥ जां जीं ॥ संधी हूर्याय अर्घ नमा ॥ पृष्ठां नमगा
॥ ॥ उं गं ऊं ॥ निर्या चन विधि ममाफ ॥ ॥ ॥ अथ राग न विधि ॥ ॥ ॥
॥ नक संजा राया रुल संधी कान राया ॥ उं गं ऊं ॥ जां जीं ॥ रुद्रुखा हा ॥ गारु
लख नहाय ॥ उं गं ऊं ॥ रुद्रु ॥ ॥ मधन ॥ मूल मनुन ॥ ॥ उं गं ऊं ॥ अष्टाय रुद्रु
गारुखा हा ॥ उं गं ऊं ॥ सर्वथा दवथा खा हा ॥ उं गं ऊं ॥ कुरु मंगी दिना राग रोखा हा
॥ उं गं ऊं ॥ कि कगया खा हा ॥ उं गं ऊं ॥ रुद्रु सि निर्या खा हा ॥ ॥ वं ग नादि

छाया॥ गलविषा॥ **त्रैलोक्यं** दृष्टवशाये **ॐ** दं गलं नम॥ सर्वथा **ॐ**
दं गलं नम॥ **रुमी** दिना गेखा **ॐ** दं गलं नम॥ कि कलैया **ॐ** दं
लं नम॥ **रुषी** सिनित्या **ॐ** दं गलं नम॥ लं ख कायावशा हा हिलका
वगाने॥ **त्रैलोक्यं** जमिपि धनमसि॥ पंचमस॥ प्राधमसखा हा॥ जपा
नायखा हा॥ बानायखा हा॥ उदाधमसखा हा॥ सर्वा नायखा
हा॥ लखगान॥ **त्रैलोक्यं** जमिपि धनमसिखा हा॥ **ॐ** गिरिहा गन॥

ॐ नमः श्रीबालकृष्णाय नमः॥ ॥ हंसिपूर्वा द्विकारी ज्ञान
लगतविरा कालता गिरुवानी॥ **क्रिपूती** रुद्रिकाखा नव नव
खदिया सिद्धिलक्ष्मी पता **श्री** हा सा नाखा पताखा टखवन
जननी गजना **ब्रह्मणी** त्वं **त्रैलोक्यं** का **ॐ** हा कतूपास कलसिव
मयं नी मिद वि कृष्णानी॥ **व** हे सदासकल कीलिक सा तख
नं कप्रभवं नत कयाल कदंभ माला खद्वा क्रव क्रवत रुट कका

[illegible]

नावगासनगगाधजवजहस्ता मेखी नमामि मुनिकिन्नरदववद्यां
 ॥७॥ पृथ्विगानतकलंककपालमाला खल्यांगिष्ठिमक
 लसककिहस्ता ॥ दष्टाकलालवदुनाजगदकधयी चामुष्टिका
 एवमुम्यष्टहस्रमलाय ॥ ७ ॥ सीदर्यासातशूचिनां कर्मलाय
 काकीयीनलनीललिकहातस्रमरनाया ॥ खड्गिष्ठमूलव
 तदाहययानिग्यालस्त्रीनमामिमहानियत्रयां ॥ ८ ॥ पूरतिष्ठ

मागी का गद्य अंग्रस पा ॥

